T.D.C Part - III Paper - 7

Dr. Pini Kumari
Deptt. of Philosophy
Vaishali Mahila College

Q. युक्ति के आकार का स्वरूप का वर्णन करें। (Argument form)

A. प्रत्येक युक्ति के निर्मायक तत्व प्रकथन होते हैं। यदि उन प्रकथनों का संकेत 'p, q, r, s' आदि अक्षरों से किया जाए तो p या q या r या s आदि को परिवर्ती प्रकथन कहा जाता है। परिवर्ती प्रकथनों को अंग्रेजी वर्णमाला के पिछले छोटे अक्षरों से संकेत किया जाता है उन्हें परिवर्ती या चर इसलिए कहा जा सकता है कि उनके स्थान पर किसी भी प्रकथन को स्थानापन्न किया जा सकता है कि उनका मूल्य स्थिर नहीं है इसलिए परिवर्ती प्रकथन वैसे अक्षर हैं जिसके स्थान पर कोई प्रकथन स्थानापन्न किया जा सकता है। 'p' के स्थान पर 'मंगल एक ग्रह है' या कोई दूसरा, जैसे, 'पृथ्वी गोल है' प्रकथन स्थानापन्न हो सकता है। जैसे → यदि मंगल एक ग्रह है तब वह गोल है।

मंगल एक ग्रह है,

∴ मंगल गोल है।

अब यदि इन प्रकथनों के स्थान पर परिवर्ती प्रकथन रखे जायें अर्थात 'मंगल एक ग्रह है' का संकेत 'p' से, 'मंगल गोल है' का q से करे तो इस युक्ति का रूप होगा

If p, Then q = $p \supset q$

p — p

∴ q — ∴ q } → युक्ति आकार

यही युक्ति का रूप या आकार है। इसलिए युक्ति-आकार संकेतों का क्रम है जिनमें ऐसे परिवर्ती प्रकथन (p, q, r, s) होते हैं कि यदि इसके स्थान पर प्रकथन स्थानापन्न कर दिए जाए तो उसका परिणाम एक युक्ति होता है जैसे — $p \vee q$

$\sim p$

∴ q } युक्ति आकार परिवर्ती प्रकथनों का क्रम

यदि 'p' परिवर्ती प्रकथन, 'गुलाब पीला है' का संकेत हो, 'q' परिवर्ती प्रकथन 'गुलाब ~~काला~~ लाल है' का तब,

② गुलाब पीला है या गुलाब लाल है।
गुलाब पीला नहीं है।
∴ गुलाब लाल है। एक युक्ति है

① को युक्ति-आकार कहा जाएगा। युक्ति आकार युक्ति का सांकेतिक रूप है। परिवर्ती प्रकथनों के स्थान पर प्रकथनों को रखने से जो युक्ति बनती है दोनों का आकार समान होता है। प्रकथनों को संकेतों के स्थान पर रखने से जिस युक्ति की रचना होती है उसे उस युक्ति-आकार का प्रतिस्थापित दृष्टांत कहा जाता है यदि सरल प्रकथन 'भारत में एकता होगी' का ए से और भारत बँट जाएगा का (ब) से संकेत किया जाय तो वैकल्पिक न्याय है :-

(क) ए v ब
~ए
∴ ब   इस युक्ति का आकार होगा,

(ख) p v q
~p
∴ q   (ख) युक्ति - आकार है।

परिवर्ती प्रकथनो को प्रकथनो से स्थानापन्न करने पर (क) युक्ति होती है। इसलिए युक्ति (क) युक्ति आकार (ख) का प्रतिस्थापित दृष्टांत है पर यही दृष्टांत किसी अन्य युक्ति-आकार का दृष्टांत भी हो सकता है, जैसे- एक युक्ति आकार p
q
∴ r में

p के स्थान पर ए v ब, q के स्थान पर ~ए और r के स्थान पर (ब) स्थानापन्न किया जाए तो वो भी 'ए v ब ~ए ∴ ब होगी। परन्तु (ग) को (क) का विशिष्ट आकार नहीं कहा जा सकता है। किसी युक्ति का विशिष्ट आकार वह युक्ति आकार है जिनमें उसके भिन्न परिवर्ती प्रकथनो के स्थान पर भिन्न सरल प्रकथनो को स्थानापन्न किया जाता है, जैसे- (p) के स्थान पर एक सरल प्रकथन (ए), q के स्थान पर दूसरा सरल प्रकथन (ब)। जिस प्रकार वैधता और अवैधता युक्तियों में लागू है उसी प्रकार युक्ति-आकार में भी।